

Piramal Foundation partners with Emory University to advance Social, Emotional, and Ethical Learning

22nd May, 2024, Dharamshala: Piramal Foundation today announced that they have signed a letter of intent with the Government of Himachal Pradesh to initiate Social, Emotional, and Ethical Learning (SEEL) program in the state. To mark this occasion, Piramal Foundation, in collaboration with Emory University, organised a SEE Learning launch and certification event at the Dalai Lama Library and Archives in Dharamshala, Himachal Pradesh. This initiative stemmed from His Holiness the Dalai Lama's vision of integrating secular ethics and human values into education.

SEE Learning, developed by the Centre of Contemplative Science & Compassion-based Ethics at Emory University, USA, is a comprehensive curriculum and resource package for teachers and stakeholders. Its core goal is to promote social, emotional, and ethical literacy in K-12 classrooms worldwide. The implementation of SEE Learning has transformed the education ecosystem, positively impacting districts, blocks, panchayats, master facilitators, students, and community volunteers. It establishes a compassionate environment, empowers facilitators, equips students with holistic skills, and fosters community engagement.

The event showcased a presentation of stories, "Bhavnaon ki Kahaniyaan" (Stories of Emotions) of SEE Learning from Piramal Foundation. It highlighted the success of SEE Learning programs across 6 states (Jammu Kashmir & Ladakh, Madhya Pradesh, Jharkhand, Odisha, Maharashtra, and Rajasthan), showcasing the transformative impact of holistic education on both heart and mind. Over the last few years, Piramal Foundation has impacted 100,000 + schools across India.

His Holiness, the Dalai Lama said, *"My motivation in undertaking this work reflects my firm belief that when each of us learns to appreciate the critical importance of ethics and makes inner values like compassion and patience an integral part of our basic outlook on life, the effects will be far-reaching. I look forward to a day when children, as a result of integrating the principles of non-violence and peaceful conflict resolution at school, will be more aware of their feelings and emotions and feel a greater sense of responsibility both toward themselves and toward the wider world."*

Ajay Piramal, Chairman, Piramal Enterprises Limited said, *"Embracing Social, Emotional, and Ethical Learning (SEE Learning) isn't just an educational choice; it's a societal imperative. Organizations committed to fostering holistic growth must weave SEE Learning into their fabric, nurturing empathy, resilience, and ethical decision-making. Through SEE Learning, Piramal Foundation is committed to fostering a compassionate teaching learning school education system in India. I strongly resonate with His Holiness' vision of combining societal ethics with education to achieve holistic growth."*

Prof. Lobsang Tenzin Negi, Executive Director, Compassion Centre, Emory University noted, *"This is the first time we have witnessed the SEE Learning intervention at scale. The customization adopted by the Piramal Foundation for each state is heartening to see, and many lessons can be learned from it."*

In April 2018, SEE Learning was launched globally, and in 2019 Piramal Foundation and Emory University signed an MoU to partner to deliver a curriculum focused on compassion and resilience. This was also in alignment with India's National Education Policy 2020. This initiative addresses India's urgent need for such education, highlighted by significant adolescent mental health challenges and a high rate of student suicides.

पीरामल फाउंडेशन ने एमोरी यूनिवर्सिटी के साथ की साझेदारी

धर्मशाला : पीरामल फाउंडेशन ने हिमाचल प्रदेश में सामाजिक, भावनात्मक और नैतिक शिक्षण (एसईईएल) कार्यक्रम शुरू करने के लिए राज्य सरकार के साथ एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किया है। पीरामल फाउंडेशन ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला के दलाई लामा पुस्तकालय एवं अभिलेखागार में एक एसईई लर्निंग लॉन्च एवं प्रमाणन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पहल शिक्षा में धर्मनिरपेक्ष नैतिकता और मानवीय मूल्यों को एकीकृत करने के परम पावन दलाई लामा के दृष्टिकोण से पैदा हुई है। अमेरिका की एमोरी यूनिवर्सिटी में सेंटर ऑफ कंटेम्प्लेटिव साइंस एंड कम्पैशन बेस्ड एथिक्स द्वारा विकसित एसईई लर्निंग शिक्षकों और हितधारकों के लिए एक व्यापक पाठ्यक्रम और संसाधन पैकेज है। इसका मुख्य लक्ष्य दुनिया भर में के 12 कक्षाओं में सामाजिक, भावनात्मक और नैतिक साक्षरता को बढ़ावा देना है। एसईई लर्निंग के क्रियान्वयन ने शिक्षा परितंत्र को बदल दिया है जिससे जिला, ब्लॉक, पंचायत स्तर से लेकर मास्टर फैसिलिटेटर, छात्र और सामुदायिक स्वयंसेवक तक पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। यह करुणा भरे वातावरण का निर्माण करता है, फैसिलिटेटर को सशक्त बनाता है, छात्रों को समग्र कौशल से लैस करता है और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देता है। इस प्रोग्राम में पीरामल फाउंडेशन की ओर से एसईई लर्निंग की कहानियों, भावनाओं की कहानियों का प्रस्तुतीकरण किया गया। इसने 6 राज्यों जम्मू कश्मीर और लद्दाख, मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र और राजस्थान में एसईई लर्निंग कार्यक्रमों की सफलता पर प्रकाश डाला जो दिल और दिमाग दोनों पर समग्र शिक्षा के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाता है। पिछले कुछ वर्षों में पीरामल फाउंडेशन ने पूरे भारत में 100000 से अधिक स्कूलों को प्रभावित किया है। परम पावन दलाई लामा ने कहा, इस काम को करने के पीछे जो प्रेरणा है वह मेरे इस दृढ़ विश्वास को दर्शाती है कि जब हम सभी नैतिकता के महत्व को सराहते हैं और करुणा तथा धैर्य जैसे आंतरिक मूल्यों को अपने जीवन के बुनियादी दृष्टिकोण का अभिन्न अंग बनाते हैं तो इसके दूरगामी प्रभाव होते हैं। मुझे उस दिन की प्रतीक्षा है जब बच्चे स्कूल में अहिंसा और शांतिपूर्ण संघर्ष समाधान के सिद्धांतों के परिणामस्वरूप अपनी भावनाओं के प्रति अधिक जागरूक होंगे और अपने तथा दुनिया के प्रति और व्यापक रूप से जिम्मेदारी की भावना और गहराई से महसूस करेंगे। पीरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के चेयरमैन, अजय पीरामल ने कहा, सामाजिक, भावनात्मक और नैतिक शिक्षा को अपनाना सिर्फ एक शैक्षणिक विकल्प ही नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक अनिवार्यता है।

Piramal Foundation partners with Emory University to advance Social, Emotional, and Ethical Learning

DHARAMSHALA: Piramal Foundation today announced that they have signed a letter of intent with the Government of Himachal Pradesh to initiate Social, Emotional, and Ethical Learning (SEEL) program in the state. To mark this occasion, Piramal Foundation, in collaboration with Emory University, organised a SEE Learning launch and certification event at the Dalai Lama Library and Archives in Dharamshala, Himachal Pradesh. This initiative stemmed from His Holiness the Dalai Lama's vision of integrating secular ethics and human values into education. SEE Learning, developed by the Centre of Contemplative Science & Compassion-based Ethics at Emory University, USA, is a comprehensive curriculum and resource package for teachers and stakeholders. Its core goal is to promote social, emotional, and ethical literacy in K-12 classrooms worldwide. The implementation of SEE Learning has transformed the education ecosystem, positively impacting districts, blocks, panchayats, master facilitators, students, and community volunteers. It establishes a compassionate environment, empowers facilitators, equips students with holistic skills, and fosters community engagement.

His Holiness, the Dalai Lama said, "My motivation in undertaking this work reflects my firm belief that when each of us learns to appreciate the critical importance of ethics and makes inner values like compassion and patience an integral part of our basic outlook on life, the effects will be far-reaching. I look forward to a day when children, as a result of integrating the principles of non-violence and peaceful conflict resolution at school, will be more aware of their feelings and emotions and feel a greater sense of responsibility both toward themselves and toward the wider world."

Ajay Piramal, Chairman, Piramal Enterprises Limited said, "Embracing Social, Emotional, and Ethical Learning (SEE Learning) isn't just an educational choice; it's a societal imperative.

Organizations committed to fostering holistic growth must weave SEE Learning into their fabric, nurturing empathy, resilience, and ethical decision-making. Through SEE Learning, Piramal Foundation is committed to fostering a compassionate teaching learning school education system in India. I strongly resonate with His Holiness' vision of combining societal ethics with education to achieve holistic growth."

पीरामल फाउंडेशन ने सामाजिक, भावनात्मक और नैतिक शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए एमोरी यूनिवर्सिटी के साथ की साझेदारी

देवभूमि मिरर/धर्मशाला

पीरामल फाउंडेशन ने हिमाचल प्रदेश में सामाजिक, भावनात्मक और नैतिक शिक्षण (एसईईएल) कार्यक्रम शुरू करने के लिए राज्य सरकार के साथ एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किया है। पीरामल फाउंडेशन ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला के दलाई लामा पुस्तकालय एवं अभिलेखागार में एक एसईई लर्निंग लॉन्च एवं प्रमाणन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पहल शिक्षा में धर्मनिरपेक्ष नैतिकता और मानवीय मूल्यों को एकीकृत करने के परम पावन दलाई लामा के दृष्टिकोण से पैदा हुई है। अमेरिका की एमोरी यूनिवर्सिटी में सेंटर ऑफ कंटेम्प्लेटिव साइंस एंड कम्पैशन बेस्ड एथिक्स द्वारा विकसित एसईई लर्निंग शिक्षकों और हितधारकों के लिए एक व्यापक पाठ्यक्रम और संसाधन पैकेज है। इसका मुख्य लक्ष्य दुनिया भर में के 12 कक्षाओं में सामाजिक, भावनात्मक और नैतिक साक्षरता को बढ़ावा देना है। एसईई लर्निंग के क्रियान्वयन ने शिक्षा परितंत्र को बदल दिया है जिससे जिला, ब्लॉक, पंचायत स्तर से लेकर मास्टर फैसिलिटेटर, छात्र और सामुदायिक स्वयंसेवक तक पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। यह करुणा भरे वातावरण का निर्माण करता है, फैसिलिटेटर को सशक्त बनाता है, छात्रों को समग्र कौशल से लैस

करता है और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देता है। इस प्रोग्राम में पीरामल फाउंडेशन की ओर से एसईई लर्निंग की कहानियों, भावनाओं की कहानियों का प्रस्तुतीकरण किया गया। इसने 6 राज्यों जम्मू कश्मीर और लद्दाख, मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र और राजस्थान में एसईई लर्निंग कार्यक्रमों की सफलता पर प्रकाश डाला जो दिल और दिमाग दोनों पर समग्र शिक्षा के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाता है। पिछले कुछ वर्षों में पीरामल फाउंडेशन ने पूरे भारत में 100000 से अधिक स्कूलों को प्रभावित किया है। परम पावन दलाई लामा ने कहा, इस काम को करने के पीछे जो प्रेरणा है वह मेरे इस दृढ़ विश्वास को दर्शाती है कि जब हम सभी नैतिकता के महत्व को सराहते हैं और करुणा तथा धैर्य जैसे आंतरिक मूल्यों को अपने जीवन के बुनियादी दृष्टिकोण का अभिन्न अंग बनाते हैं तो इसके दूरगामी प्रभाव होते हैं। मुझे उस दिन की प्रतीक्षा है जब बच्चे स्कूल में अहिंसा और शांतिपूर्ण संघर्ष समाधान के सिद्धांतों के परिणामस्वरूप अपनी भावनाओं के प्रति अधिक जागरूक होंगे और अपने तथा दुनिया के प्रति और व्यापक रूप से जिम्मेदारी की भावना और गहराई से महसूस करेंगे। पीरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के चेयरमैन, अजय पीरामल ने कहा, सामाजिक, भावनात्मक और नैतिक शिक्षा को अपनाना सिर्फ एक शैक्षणिक विकल्प ही नहीं है।

About SEE Learning:

SEE Learning (Social, Emotional, and Ethical Learning) is an innovative educational framework developed by the Center for Contemplative Science and Compassion-Based Ethics at Emory University. SEE Learning aims to cultivate the holistic development of students by integrating social, emotional, and ethical competencies into the curriculum.

About Piramal Foundation

Piramal Foundation is the philanthropic arm of Piramal Group. Aligned to the Sustainable Development Goals the Foundation is committed to improving the lives of marginalized communities, by leveraging the power of youth and strengthening Government systems. With operations supported

by 5000+ employees, and spread across 27 States and 2 Union Territories, over the last 16 years it has touched the lives of more than 11.3 crore Indians.

For Media Queries:

Mihir Mukherjee
Mihir.mukherjee@piramal.com
+91 0087556960

